**हल्दिया परियोजना की असफलता**

3042. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हल्दिया परियोजना की असफलता के संबंध में कोई जांच नहीं की गई है,

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं,

(ग) क्या यह भी सच है कि इस परियोजना के कार्यान्वयन और निगरानी हेतु अभी तक किसी भी अधिकारी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है,

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ङ) यदि नहीं, तो इस संबंध में किन-किन अधिकारियों को उत्तरदायी ठहराया गया है?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार : (श्री एडुआर्डो फेलेरियो)**: (क) से (ङ) हल्दिया परियोजना की असफलता के मुख्य कारण थे प्रथम बार उपस्करों का विस्तृत स्वदेशीकरण, उपस्करों की प्राप्ति के लिए अत्यधिक विदेशी ऋण का उपयोग, परिणामस्वरूप उनका बेमेल होना, निर्माण/आरम्भण के दौरान गंभीर औद्योगिक सम्बन्ध समस्याएं, आरम्भण के दौरान उपस्करों में भारी खराबियां।

चूंकि हल्दिया परियोजना की असफलता के कारण स्पष्ट रूप से पता है और अधिकतर कारण किसी व्यक्ति के नियंत्रण से परे हैं अतः किसी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराने के लिये कोई औपचारिक जांच नहीं की गई।

**उर्वरकों की आवश्यकता आयात**

3043. **श्री राम नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री 2 दिसम्बर, 1993 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 3 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में 1993-94 और 1994-95 वर्षों के लिए उर्वरकों की अनुमानित कुल कितनी आवश्यकता होगी

(ख) क्या सरकार ने चालू वर्ष के दौरान कुछ उर्वरकों का आयात किया है, और

(ग) यदि हां, तो इन उर्वरकों के आयात पर कुल कितनी विदेशी मुद्रा खर्च हुई है?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एडुआर्डो फेलेरियो)**:— (क) देश में 1993-94 और 1994-95 वर्षों के लिए (न्यूट्रीएंट्स के रूप में) उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता निम्न प्रकार है:—

(लाख टन में)

| वर्ष | नाइट्रोजन | फास्फेट | पोटाश | योग |
|---|---|---|---|---|
| 1993-94 | 96.50 | 32.00 | 10.00 | 138.50 |
| 1994-95 | 106.15 | 33.60 | 10.50 | 150.25 |

(ख) जी हां।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान सरकार के खाते में से उर्वरकों के आयात पर अक्तूबर 1993 तक 216 मिलियन अमेरिकी डालर की राशि विदेशी मुद्रा के रूप में व्यय की गई।

**बंद पड़े-चालू उर्वरक संयंत्र**

3044. **श्री राम नरेश यादव** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में इस समय कुल कितने उर्वरक संयंत्र चालू हैं और कितने बंद पड़े हुए हैं और इसके क्या कारण हैं और उसका ब्यौरा क्या है,

(ख) क्या सरकार बंद पड़े उर्वरक-संयंत्रों को पुनः चालू करने का विचार रखती है, और

(ग) यदि हां, तो कब तक?

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्यमंत्री का तथा इलेक्ट्रानिकी विभाग और महासागर विकास विभाग में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (श्री एडुआर्डो फेलेरियो)**: (क) इस समय 47 प्रमुख उर्वरक एकक हैं जो वृहद मात्रा में नाइट्रोजनों और फास्फेटिक/कम्प्लेक्स उर्वरकों का निर्माण कर रहे

हैं । इसके अलावा उप-उत्पाद के रूप में अमोनियम सल्फेट का उत्पादन करने वाले 9 एकक हैं । प्रमुख एककों में से हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कार्पोरेशन (एच.एफ.सी.) के बरौनी और दुर्गापुर संयंत्र वित्तीय समस्याओं के कारण अस्थाई रूप से बंद हैं । फर्टिलाइजर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एफ.सी.आई.) का गोरखपुर संयंत्र एक दुर्घटना के कारण 1990 से बंद पड़ा है । एच.एफ.सी. के हल्दिया एकक का आरम्भण अक्टूबर 1986 से लम्बित है ।

इसके अलावा, सिंगल सुपर फास्फेट (एस.एस.पी.) का उत्पादन करने वाले लगभग 80 एकक हैं, इनमें से लगभग 25 एककों (अधिकांशतः लघु क्षेत्र में हैं) द्वारा वित्तीय समस्याओं और अलाभकर प्रचालनों के कारण उत्पादन बन्द कर दिये जाने की सूचना है ।

(ख) और (ग) एच.एफ.सी. और एफ.सी.आई. को रूग्ण औद्योगिक कंपनियां (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1985 के अध्यधीन औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्गठन बोर्ड (बी.आई.एफ.आर.) द्वारा रूग्ण कंपनियां घोषित कर दिया गया है । इन एककों के पुनरूद्धार के संबंध में कोई कार्यवाही बी.आई.एफ.आर. के समक्ष लम्बित न्यायिक कल्प कार्यवाहियों के अंतिम परिणाम पर निर्भर करेगी ।

एस.एस.पी. एककों के संबंध में, सरकार एक योजना का कार्यान्वयन कर रही है जिसके अंतर्गत किसानों को एस.एस.पी. की प्रति टन खरीद पर रु. 340 की रियायत दी जाती है ।

Sale of Fertilisers at Premium in Andhra Pradesh

3045. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether it is a fact that C.A.N. and Ammonium Sulphate fertilisers are being sold at a premium in Guntur and Prakasham districts of Andhra Pradesh; and

(b) if so, what are the details in this regard and what steps have been taken to redress the same ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ELECTRONICS AND DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT (SHRI EDUARDO FALEIRO) : (a) and (b) As per the information received from the Government Andhra Pradesh, there has been no sale of Calcium Ammonium Nitrate and Ammonium Sulphate at a premium in Guntur District. The certificate of registration of a dealer in Prakasam district has been suspended on 3-12-1993 in connection with the sale of Ammonium Sulphate at a premium. The State Government has instituted a system of close monitoring of the supply and distribution of Calcium Ammonium Nitrate and Ammonium Sulphate at the maximum retail price through district, division and mandal Level Committees. The distribution is being done on permits under the supervision of the Local Agriculture Officer.

PROFITABILITY OF SOME BOMBAY BASED DRUG COMPANIES

3046. SHRIMATI SATYA BAHIN : SHRI H. HANUMANTHAPPA : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) Whether it is a fact that Profitability of some Bombay-based drug companies is being studied;

(b) if so, what are the names of the companies whose profitability is being studied and what is the name of the agency which is studying this profitability;

(c) what are the other aspects of drug Industry being studied;

(d) the reasons for which this profitability has not been studied by the BICP or his Ministry and with what objectives, the study is being conducted;